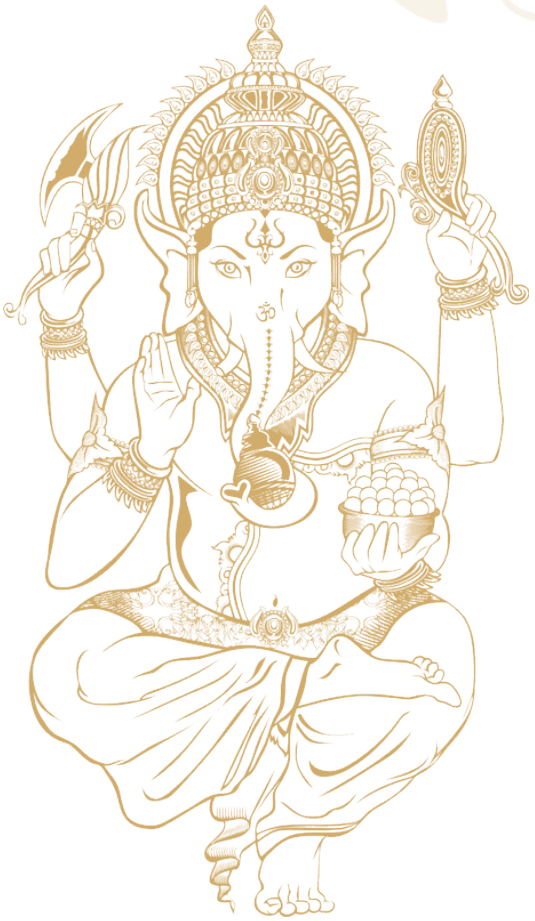

Aaynansh

Priyanka

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120787002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/04/1998	जन्म तिथि	27-28/10/1997
शुक्रवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 19:35:00	जन्म समय	04:45:00 घंटे
घटी 33:51:47	जन्म समय(घटी)	55:42:51 घटी
India	देश	India
Jalgaon	स्थान	Bhusaval
21:01:00 उत्तर	अक्षांश	21:01:00 उत्तर
75:39:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:02:17	सूर्योदय	06:27:07
18:48:56	सूर्यास्त	17:53:54
23:49:53	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:31

विंशोत्तरी शनि 4वर्ष 7मा 28दि केतु 22/12/2019 21/12/2026		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 3वर्ष 2मा 24दि राहु 21/01/2018 22/01/2036	
		21:26:07	तुला	लग्न	कन्या	16:22:32		
		10:21:39	मेष	सूर्य	तुला	10:44:43		
		13:23:47	मीन	चंद्र	कन्या	02:48:51		
		14:44:15	मेष	मंगल	वृश्चि	27:02:26		
केतु	19/05/2020	16:42:52	मीन	बुध	तुला	19:45:15	राहु	03/10/2020
शुक्र	19/07/2021	24:26:12	कुंभ	गुरु	मक	18:54:30	गुरु	27/02/2023
सूर्य	24/11/2021	25:53:32	कुंभ	शुक्र	वृश्चि	27:30:50	शनि	03/01/2026
चन्द्र	25/06/2022	00:55:02	मेष	शनि व	मीन	21:43:04	बुध	22/07/2028
मंगल	21/11/2022	15:20:28	सिंह व	राहु व	सिंह	25:13:04	केतु	10/08/2029
राहु	10/12/2023	15:20:28	कुंभ व	केतु व	कुंभ	25:13:04	शुक्र	09/08/2032
गुरु	14/11/2024	18:41:38	मक	हर्ष	मक	10:59:21	सूर्य	04/07/2033
शनि	24/12/2025	08:18:18	मक	नेप	मक	03:27:16	चन्द्र	03/01/2035
बुध	21/12/2026	13:42:59	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	10:28:39	मंगल	22/01/2036

लग्न-चलित

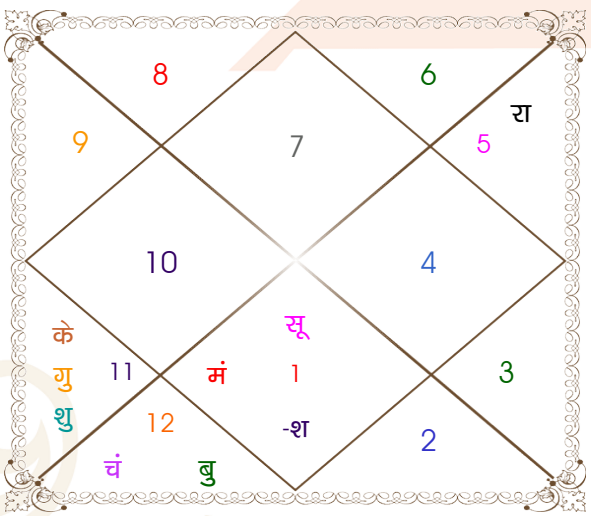

लग्न-चलित

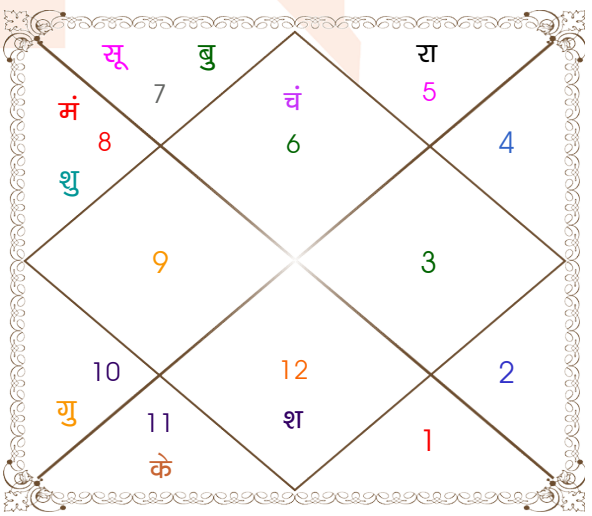

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	गौ	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.00		

¡लदंदी का वर्ग सिंह है तथा च्तपलंदां का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ¡लदंदी और च्तपलंदां का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

¡लदंदी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल ¡लदंदी कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ¡लदंदी कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

च्तपलंदां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि च्तपलंदां कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल च्तपलंदां कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ंलदंदी तथा च्तपलंदां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।